चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 05 फ़रवरी 2026, अंक –207.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

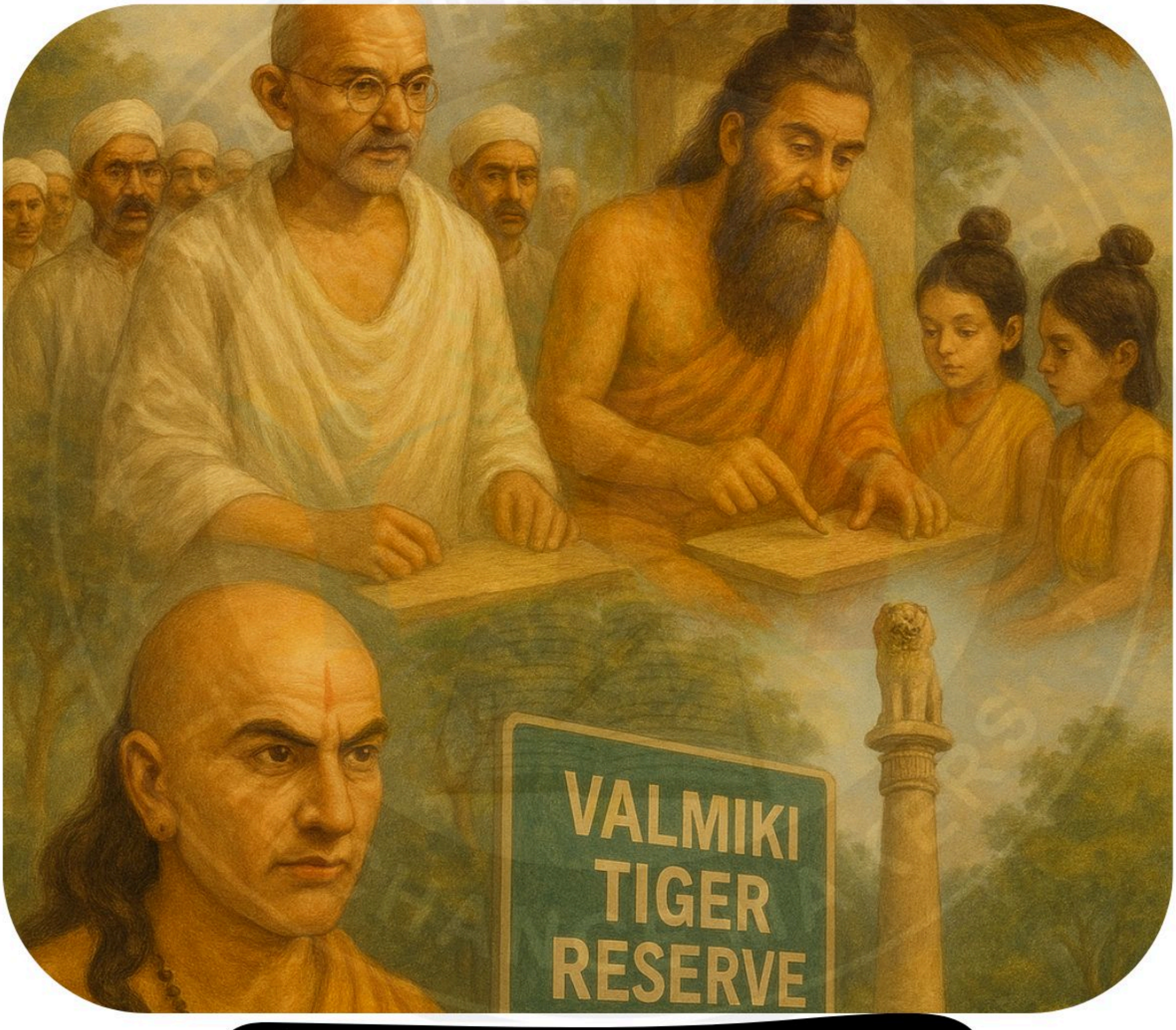

"जो अपने समय का उपयोग करता है, वही महान बनता है।" — चाणक्य

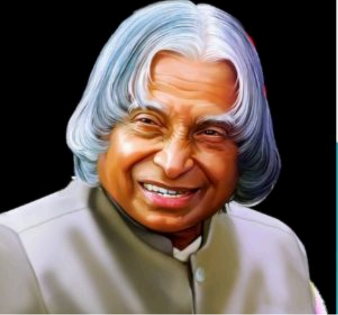

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुम्हें पाया।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां
मलयजशीतलाम्
शस्यश्यामलां मातरम्।
वंदे मातरम् !
शुभ्रज्योत्स्नां
पुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमित
द्रुमदलशोभिनीम्
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्
सुखदां वरदां मातरम्।।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर, बगहा-2

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

1: पंजाब की राजधानी क्या है?
उत्तर:चंडीगढ़
प्रश्न 2: सर्वाधिक स्पेस वॉक (अंतरिक्ष में चहलकदमी) करने का रिकॉर्ड किसके पास है?
उत्तर: सुनीता विलियम्स (नासा के अनुसार, उन्होंने 62 घंटे और 6 मिनट तक अंतरिक्ष में स्पेसवॉक किया है)
प्रश्न 3: सांप-नाव दौड़ (नेहरू ट्रॉफी) और ओडिसी नृत्य किस राज्य से जुड़े हैं?
उत्तर:ओडिशा
प्रश्न 4: 12 और 18 का महत्तम समापवर्तक (HCF) क्या है?
उत्तर:6
प्रश्न 5: बिहार में 'छठ पूजा' में मुख्य रूप से किस देवी/देवता की पूजा की जाती है?
उत्तर:सूर्य देवता और छठ मैया।
प्रश्न 6: हेमिस राष्ट्रीय उद्यान, जो हिम तेंदुआ के लिए प्रसिद्ध है, किस राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में है?
उत्तर:लद्दाख
प्रश्न 7: कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की अवधारणा विकसित करने वाली पहली व्यक्ति कौन थीं?
उत्तर:एडा लवलेस
प्रश्न 8: भारतीय संसद के दो सदन कौन-कौन से हैं?
उत्तर:लोक सभा और राज्य सभा
प्रश्न 9: 'ईमानदार' का विलोम शब्द बताइए।
उत्तर:बेईमान
प्रश्न 10: मधुमक्खियाँ शहद बनाने के लिए किस पदार्थ को एकत्र करती हैं?
उत्तर:फूलों का रस (नेक्टर)

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronouns)

1. Who – (हू) – कौन (व्यक्ति के लिए)
2. Whom – (हूम) – किसे / किसको (कर्म के लिए)
3. Whose – (हूज़) – किसका / किसकी
4. What – (व्हाट) – क्या (वस्तु/कार्य के लिए)
5. Which – (विच) – कौन-सा / कौन-सी (चुनाव के लिए)

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

Command:
*कितनी उम्र है?: HOW OLD ARE YOU?
* मैं सात साल का हूँ: I AM SEVEN YEARS OLD.

* हाथ धो लो → Wash your hands.
* जगह साफ रखो → Keep the place clean.

सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहा
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 5 फरवरी को विश्व स्तर पर कौन सा दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: विश्व वेटलैंड्स दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 5 फरवरी को विश्व वेटलैंड्स दिवस मनाया जाता है, जो 1971 में ईरान के रामसर में वेटलैंड्स पर हुए सम्मेलन की याद में है। इसका उद्देश्य आर्द्रभूमियों के महत्व, उनके संरक्षण और टिकाऊ उपयोग के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। आर्द्रभूमियाँ जैव विविधता, जल शुद्धिकरण और बाढ़ नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
संदर्भ: रामसर कन्वेंशन वेबसाइट, 2026।

2. हाल ही में (फरवरी 2026) किस देश ने चंद्रमा की सतह पर पहली बार 'जल संसाधन मापन यान' सफलतापूर्वक उतारा है? (समसामयिकी)
उत्तर: जापान
व्याख्या: फरवरी 2026 की शुरुआत में जापानी अंतरिक्ष एजेंसी (JAXA) ने "SLIM 2.0" मिशन के तहत चंद्रमा की सतह पर जल संसाधन मापन यान उतारा। इसका उद्देश्य चंद्र ध्रुवों पर बर्फ के रूप में मौजूद जल का सटीक मापन करना है, जो भविष्य के मानव अभियानों और चंद्र आधार निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: ISRO & JAXA संयुक्त बयान, फरवरी 2026।

3. "The Indian Renaissance: India's Rise After a Thousand Years of Decline" पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: सन्जीव सान्याल
व्याख्या: यह पुस्तक 2025 में प्रकाशित हुई, जिसमें भारत के ऐतिहासिक पतन के बाद आर्थिक, सांस्कृतिक और भू-राजनीतिक पुनरुत्थान का विश्लेषण किया गया है। लेखक सन्जीव सान्याल एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और स्तंभकार हैं, जिन्होंने भारत की वैश्विक भूमिका और आंतरिक सुधारों पर प्रकाश डाला है।
संदर्भ: Penguin Random House India, 2025।

4. ग्रीनहाउस प्रभाव में सबसे अधिक योगदान देने वाली गैस कौन सी है? (पर्यावरण)
उत्तर: कार्बन डाइऑक्साइड
व्याख्या: ग्रीनहाउस प्रभाव पृथ्वी के वायुमंडल में मौजूद गैसों द्वारा सूर्य की गर्मी को रोकने की प्रक्रिया है। कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) मानव गतिविधियों जैसे जीवाश्म ईंधन दहन, वनोन्मूलन से उत्सर्जित होती है और वैश्विक तापन में सर्वाधिक योगदान देती है। इसके प्रभाव को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समझौते जैसे पेरिस समझौता महत्वपूर्ण हैं।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, पृष्ठ 29-30।

5. 'राजतरंगिणी' किसने लिखी और यह किससे संबंधित है? (इतिहास)
उत्तर: कल्हण, कश्मीर का इतिहास
व्याख्या: 'राजतरंगिणी' संस्कृत में लिखित कश्मीर के इतिहास का एक महाकाव्य है, जिसे 12वीं शताब्दी में कवि-इतिहासकार कल्हण ने लिखा। इसमें कश्मीर के राजवंशों, सांस्कृतिक विकास और सामाजिक स्थितियों का विस्तृत वर्णन है। यह भारतीय इतिहास लेखन का एक प्रमुख स्रोत मानी जाती है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 1 Tracing Changes Through a Thousand Years, पृष्ठ 8।

"सामान्य-ज्ञान"

6. भारत में 'मृत धरा' (Badlands) की भू-आकृति मुख्यतः किस राज्य में पाई जाती है? (भूगोल)
उत्तर: गुजरात
व्याख्या: 'मृत धरा' या बैडलैंड्स ऐसी भूमि होती है जहाँ नरम चट्टानों का तीव्र अपरदन होता है, जिससे खड़ी ढलानों और गहरी घाटियों का निर्माण होता है। भारत में यह भू-आकृति गुजरात के कच्छ क्षेत्र में पाई जाती है, जहाँ बारिश की कमी और मिट्टी के कटाव से ऐसी दृश्यावली बनी है।
संदर्भ: NCERT Class 9 Geography, Ch 2 Physical Features of India, पृष्ठ 15।

7. संविधान की छठी अनुसूची किस राज्य/क्षेत्र से संबंधित है? (संविधान)
उत्तर: आदिवासी क्षेत्र (असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम)
व्याख्या: संविधान की छठी अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के आदिवासी क्षेत्रों के प्रशासन के लिए प्रावधान करती है। इसमें स्वायत्त जिला परिषदों का गठन, उनके अधिकार और स्थानीय कानून बनाने की शक्ति शामिल है, जो आदिवासी समुदायों की संस्कृति और हितों की रक्षा करती है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Political Science, Ch 7 Federalism, पृष्ठ 86।

8. रेफ्रिजरेटर में शीतलक (Refrigerant) के रूप में प्रयुक्त गैस कौन सी है? (विज्ञान)
उत्तर: फ्रेऑन (क्लोरोफ्लोरोकार्बन)
व्याख्या: रेफ्रिजरेटर में शीतलक के रूप में फ्रेऑन (CFC) गैस का उपयोग होता है, जो संपीड़न और विस्तार के सिद्धांत पर काम करती है। यह गैस वाष्पीकरण के दौरान ऊष्मा अवशोषित करती है, जिससे अंदर का तापमान कम होता है। हालाँकि, CFC ओज़ोन परत के क्षरण के लिए जिम्मेदार है, इसलिए अब इसके विकल्पों का उपयोग किया जा रहा है।
संदर्भ: NCERT Class 9 Science, Ch 1 Matter in Our Surroundings, पृष्ठ 6-7।

9. 'थंग-का' चित्रकला शैली किस धर्म से संबंधित है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: बौद्ध धर्म
व्याख्या: 'थंग-का' तिब्बती बौद्ध धर्म से जुड़ी एक पारंपरिक चित्रकला शैली है, जिसमें कपड़े या रेशम पर बुद्ध, बोधिसत्त्व और मंडलों के चित्र बनाए जाते हैं। यह ध्यान, शिक्षा और धार्मिक अनुष्ठानों में उपयोग की जाती है। यह हिमालयी क्षेत्र (लद्दाख, सिक्किम, अरुणाचल) में प्रचलित है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 9 The Making of Regional Cultures, पृष्ठ 125।

10. बिहार के किस जिले में 'सोनपुर मेला' आयोजित होता है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: सारण (और वैशाली)
व्याख्या: सोनपुर मेला बिहार के सारण और वैशाली जिले की सीमा पर गंगा-गंडक नदी के संगम पर आयोजित होता है। यह एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला माना जाता है और कार्तिक पूर्णिमा से शुरू होता है। यह सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 7 Our Country – India, पृष्ठ 52; Bihar GK Sources।

"सामान्य-ज्ञान"

11. भूकंप के दौरान यदि आप घर के अंदर हैं और बाहर निकलने का रास्ता दूर है, तो आपको क्या करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा फरवरी W1)
उत्तर: तत्काल "सुरक्षित त्रिकोण" (सेफ्टी ट्राइंगल) बनाना चाहिए - दीवार के साथ बैठकर, झुककर और अपने सिर व गर्दन को हाथों से सुरक्षित कर लेना चाहिए, अर्थात दीवार के सहारे बैठ जाएं, घुटने मोड़कर छाती से लगाएं और हाथों से सिर व गर्दन ढक लें।जब डेस्क/टेबल उपलब्ध न हो या बाहर निकलना संभव न हो, तो "सुरक्षित त्रिकोण" तकनीक जीवनरक्षक होती है। यह तकनीक इस सिद्धांत पर काम करती है कि भूकंप में गिरने वाली छत या दीवारें अक्सर आस-पास की मजबूत वस्तुओं (जैसे बिस्तर, सोफा, अलमारी) के बगल में एक त्रिकोणीय सुरक्षित स्थान छोड़ती हैं। इस स्थान में बैठकर व्यक्ति कुचलने से बच सकता है।

12. यदि एक निश्चित कूट भाषा में 'GLOBAL' को 'FNKZKZ' लिखा जाता है और 'MARKET' को 'LZQJDS' लिखा जाता है, तो उसी कूट में 'NATURE' को क्या लिखा जाएगा? (मानसिक योग्यता)
उत्तर:MZSTQD
व्याख्या:यह एक पैटर्न-आधारित कूट भाषा प्रश्न है। यहाँ प्रत्येक अक्षर को उससे एक स्थान पहले वाले अक्षर से बदल दिया गया है (A→Z, B→A, आदि)।
संदर्भ:प्रतियोगी परीक्षा रीजनिंग गाइड (अरिहंत/राकेश यादव)।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Mitigate (मिटिगेट) = Reduce (रिड्यूस) = कम करना / शमन करना
   Antonym – Intensify (इंटेन्सिफ़ाई) = तीव्र करना
2. Obsolete (ऑब्सोलीट) = Outdated (आउटडेटेड) = अप्रचलित
   Antonym – Modern (मॉडर्न) = आधुनिक
3. Candid (कैंडिड) = Frank (फ्रैंक) = स्पष्टवादी / साफ़गोई
   Antonym – Deceitful (डिसीटफुल) = कपटी
4. Resilient (रिज़िलिएंट) = Flexible (फ्लेक्सिबल) = लचीला / विपरीत परिस्थितियों से उबरने वाला
   Antonym – Fragile (फ्रैजाइल) = नाज़ुक
5. Impose (इम्पोज़) = Enforce (इनफोर्स) = थोपना / लागू करना
   Antonym – Withdraw (विदड्रॉ) = वापस लेना

~: संकलन :~
घनश्याम प्रसाद
प्रधान शिक्षक
Govt. PS सिधाव थारुटोला
बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Maoist commander with ₹21 lakh bounty surrenders in Odisha's Malkangiri.
ओडिशा के मलकानगिरि में ₹21 लाख के इनामी माओवादी कमांडर ने आत्मसमर्पण किया।
छत्तीसगढ़ का माओवादी कमांडर हथियार, विस्फोटक एवं गोला-बारूद के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

Rahul Gandhi calls Bittu 'traitor', BJP cries 'anti-Sikh' bias citing Operation Bluestar.
राहुल गांधी ने बिट्टू को 'गद्दार' कहा, बीजेपी ने 'सिख विरोधी' पूर्वाग्रह का आरोप लगाया।
बीजेपी ने एमपी रवनीत सिंह बिट्टू को 'गद्दार' कहे जाने पर राहुल गांधी की आलोचना की, ऑपरेशन ब्लूस्टार एवं पगड़ी का हवाला दिया।

Delhi HC to examine EOW status report on ₹157 crore Ozempic scam probe.
₹157 करोड़ के ओजेम्पिक घोटाले की जांच पर दिल्ली हाईकोर्ट ने ईओडब्ल्यू की स्थिति रिपोर्ट पर सुनवाई की।
दिल्ली हाईकोर्ट 6 फरवरी को ईओडब्ल्यू की रिपोर्ट की जाँच करेगा, जिसमें भारतीय नागरिक स्वप्रदीप रॉय शामिल है।

INTERNATIONAL NEWS

Estonia detains Russian-crewed ship suspected of smuggling to St. Petersburg.
सेंट पीटर्सबर्ग जाने वाले जहाज को तस्करी के संदेह में एस्टोनिया ने हिरासत में लिया।
बाल्टिक स्पिरिट कंटेनर जहाज को रूसी चालक दल के साथ तस्करी के संदेह में रोक लिया गया।

US creates $12 billion critical minerals reserve; GM, Boeing, Google join project.
अमेरिका ने $12 बिलियन के क्रिटिकल मिनरल्स रिजर्व का निर्माण किया; जीएम, बोइंग, गूगल शामिल।
व्हाइट हाउस ने महत्वपूर्ण खनिजों के रिजर्व का निर्माण किया, जिसमें प्रमुख कंपनियां शामिल हैं।

Poland investigates Jeffrey Epstein's ties to Russian intelligence.
रूस खुफिया एजेंसी से जेफरी एप्स्टीन के संबंधों की जाँच पोलैंड कर रहा है।
प्रधानमंत्री टुस्क ने एप्स्टीन के रूसी खुफिया से संबंधों की जाँच शुरू की।

BIHAR NEWS

Bihar govt launches new scheme for SC/ST students in higher education.
बिहार सरकार ने उच्च शिक्षा में एससी/एसटी छात्रों के लिए नई योजना शुरू की।
स्कॉलरशिप, स्टाइपेंड एवं कोचिंग सुविधाएं शामिल, जो राज्य के सामाजिक वर्गों को लाभ पहुंचाएंगी।

Bihar Legislative Assembly passes resolution on Republic Day 2026 celebrations.
बिहार विधानसभा ने गणतंत्र दिवस 2026 समारोह पर प्रस्ताव पारित किया।
पटना गांधी मैदान पर ध्वजारोहण एवं परेड की सफलता की सराहना की गई।

SPORTS NEWS

India A defeat USA in T20 World Cup 2026 warm-up match by 38 runs.
टी20 विश्वकप 2026 वार्म-अप मैच में भारत ए ने यूएसए को 38 रन से हराया।
भारत ए ने यूएसए को हराकर टूर्नामेंट की तैयारी में मजबूत प्रदर्शन दिखाया।

Tilak Varma clears fitness test on comeback after surgery.
सर्जरी के बाद वापसी पर तिलक वर्मा ने फिटनेस टेस्ट पास किया।
तिलक वर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के लिए फिटनेस टेस्ट पास किया, जो टीम के लिए मजबूत विकल्प है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

आइए, मिलकर बच्चों के भविष्य को सिर्फ़ सूचना से नहीं, समझ से सशक्त करें। 🌱📘

अनुभाग-6

प्रेरक संस्मरण

"ऊँचे स्वर में पढ़ना"

(महात्मा गांधी के जीवन-दर्शन से प्रेरित संस्मरण)

मेरे बाल्यकाल के दिनों की एक स्मृति आज भी मेरे मन में स्पष्ट है। मैं स्वभाव से अत्यंत संकोची था। कक्षा में शिक्षक के सामने बोलना, विशेषकर ऊँचे स्वर में पढ़ना, मेरे लिए एक कठिन परीक्षा जैसा था। शब्द आते थे, पर आवाज़ साथ नहीं देती थी। मन में भय रहता—कहीं गलती हो गई तो?

एक दिन शिक्षक ने मुझे खड़े होकर पाठ पढ़ने को कहा। पुस्तक मेरे हाथ में थी, पर कंठ सूख गया। पहले वाक्य में ही मेरी आवाज़ काँप गई। कुछ सहपाठी मुस्कुराए। उस क्षण मुझे लगा कि मैं असफल हो गया हूँ। पर उसी समय शिक्षक ने शांत स्वर में कहा,

"डरो मत, शब्दों को नहीं—अपने मन को पढ़ो।"

मैंने आँखें बंद कीं, गहरी साँस ली और दोबारा पढ़ना शुरू किया। इस बार मैंने शब्दों पर नहीं, भाव पर ध्यान दिया। आवाज़ धीमी थी, पर सच्ची थी। जैसे-जैसे पंक्तियाँ आगे बढ़ीं, मेरे भीतर का डर कम होता गया। पाठ समाप्त हुआ तो कक्षा में मौन था—और फिर हल्की तालियाँ।

उस दिन मैंने जाना कि ऊँचे स्वर में पढ़ना केवल आवाज़ की ऊँचाई नहीं, आत्मविश्वास की ऊँचाई है। जो व्यक्ति अपने विचार स्पष्ट रूप से कह सकता है, वही सत्य के मार्ग पर दृढ़ रह सकता है। आगे चलकर जब मुझे सभाओं में, जनसमूह के सामने बोलना पड़ा, तो वही बचपन का अभ्यास मेरे काम आया।

मैंने जीवन में सत्य और अहिंसा का मार्ग चुना। पर यह मार्ग तभी संभव हुआ, जब मैं बिना भय के अपने विचार व्यक्त करना सीख सका। पढ़ना, बोलना और लिखना—ये सब साधन हैं; लक्ष्य है निडर मनुष्य बनना।

प्रेरक संदेश:

'जब बच्चा ऊँचे स्वर में पढ़ना सीखता है, तो वह धीरे-धीरे जीवन के सत्य को भी निडर होकर बोलना सीखता है।'

— महात्मा गांधी

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

"विद्यालय में शिक्षकों के बीच आपसी समन्वय"

शिक्षाशास्त्र के अनुसार विद्यालय में यदि शिक्षकों के बीच आपसी समन्वय ठीक रहता है तो विद्यालय में शैक्षिक माहौल सकारात्मक रहता है जिससे छात्रों को सीखने का अवसर ज्यादा मिलता है। इसका सीधा असर उनकी पढ़ाई पर भी पड़ता है। अतः विद्यालय में हम शिक्षकों को आपसी समन्वय बनाकर रखना चाहिए। इस हेतु विद्यालय में हम निम्नलिखित क्रियाकलाप कर सकते हैं।

हम शिक्षकों को आपस में नियमित रूप से संवाद करना चाहिए। इसके लिए विद्यालय प्रधान को शिक्षकों की साप्ताहिक एवं मासिक बैठकें अनिवार्य रूप से आयोजित करना चाहिए। इन बैठकों में सबको खुलकर अपने-अपने विचार रखने चाहिए। सभी को एक दूसरे का सम्मान करते हुए अपनी बात रखनी चाहिए। विद्यालय की किसी भी समस्या को सामूहिक समस्या मानते हुए समाधान के लिए मिलकर समाधान ढूंढना चाहिए। टीम वर्क की भावना विकसित करते हुए कार्य विभाजन करना चाहिए। विद्यालय में कोई कार्यक्रम आयोजित करना हो तो उसमें सबकी सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। कार्य संपादित करने के क्रम में कभी भी मेरा काम या आपका काम कहकर शिक्षकों को आपस में स्पर्धा नहीं करना चाहिए। आपस में परस्पर सम्मान और विश्वास की भावना विकसित करते हुए छोटे बड़े सभी को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। किसी की बात को हल्के में न लेते हुए किसी की पीठ पीछे आलोचना से बचना चाहिए। विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी शिक्षकों को स्पष्ट भूमिका और जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। इससे हर शिक्षक को अपनी भूमिका पता होगी साथ ही किसी काम का दोहराव नहीं होगा और भ्रम से बचाव होगा। विद्यालय में प्रधानाध्यापक को शिक्षकों के बीच सहयोग और मदद की संस्कृति विकसित करने का प्रयास करना चाहिए। किसी शिक्षक को कक्षा में किसी विषय में दिक्कत हो तो सहयोग की व्यवस्था अन्य शिक्षकों के सहयोग से करना चाहिए। सभी शिक्षकों को आपस में अनुभव साझा कर समन्वय को मजबूत करना चाहिए। सकारात्मक नेतृत्व प्रदान करते हुए प्रधानाध्यापक का व्यवहार सभी शिक्षकों के सार न्यायपूर्ण और प्रेरणादायक होना चाहिए। उन्हें सभी शिक्षकों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल करना चाहिए। अगर शिक्षकों के बीच आपसी मतभेद हो उसके समाधान के लिए सीधे और शांति से बात करना चाहिए। किसी तीसरे व्यक्ति को शामिल करने से गलतफहमी बढ़ाने से बचना चाहिए। विद्यालय में कभी कभी चाय पार्टी या नाश्ते पार्टी का आयोजन कर आपसी रिश्तों में अपनापन लाने की कोशिश करनी चाहिए। विद्यालय में सभी शिक्षकों को छात्रों का शैक्षणिक विकास का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना चाहिए। जब उद्देश्य बड़ा होता है, तो छोटे मतभेद अपने आप कम हो जाते हैं। विद्यालय में जब संवाद, सम्मान और सहयोग होगा, तब शिक्षकों के बीच आपसी समन्वय स्वतः विकसित होगा। तो आईए हम सब अपने विद्यालय में शिक्षकों के बीच आपसी समन्वय बनाकर विद्यालय के शैक्षिक माहौल को विकसित करने का प्रयास करें।

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

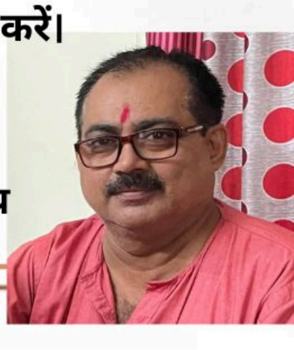

अनुभाग-8

"परीक्षा पर चर्चा "

"शांत रहो, मजबूत रहो"

05.02.2026 Exam Warriors! आज बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 का तीसरा दिन है। 2 फरवरी से शुरू हुई यह परीक्षा 13 फरवरी को समाप्त होगी। वहीं मैट्रिक परीक्षा 17 फरवरी से शुरू हो रही है, यानी मैट्रिक के छात्रों के पास अभी 13 पूरे दिन बाकी हैं। दोनों ही समूहों के लिए आज का सबसे महत्वपूर्ण संदेश एक ही है – शांत मन से आगे बढ़ना और हर पेपर को एक नई शुरुआत मानना।

इंटरमीडिएट के छात्रों ने अब तक तीन पेपर दे दिए हैं। हर पेपर के साथ आपकी समझ बढ़ रही है कि समय कैसे बचाना है, प्रश्नों को कैसे चुनना है और घबराहट को कैसे रोकना है। याद रखें, एक पेपर अच्छा नहीं गया तो भी जीवन खत्म नहीं होता। अगला पेपर आपकी नई शुरुआत है। हर सुबह उठकर खुद को याद दिलाएँ कि आपने पूरे साल जो मेहनत की है, वह आज भी आपके साथ है।

मैट्रिक के छात्रों के लिए अभी समय बहुत कीमती है। अब नए चैप्टर पढ़ने का नहीं, बल्कि दोहराव और अभ्यास का समय है। महत्वपूर्ण सूत्र, परिभाषाएँ, तिथियाँ, मानचित्र, व्याकरण नियम और गणित के प्रश्न रोज़ दोहराएँ। प्रतिदिन थोड़ा लेखन अभ्यास जरूर करें ताकि परीक्षा में गति और स्पष्टता बनी रहे। पिछले 5 वर्ष के प्रश्न-पत्रों के महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विशेष ध्यान दें।

सभी विद्यार्थियों के लिए कुछ सामान्य लेकिन सबसे जरूरी सलाह। रात में कम से कम 7 घंटे की नींद जरूर लें। याददाश्त और एकाग्रता दोनों नींद पर निर्भर करते हैं। भोजन हल्का, पौष्टिक और समय पर लें। चाय-कॉफी या मोबाइल का अधिक उपयोग तनाव बढ़ाता है, इसलिए इसे कम से कम रखें। दूसरों की तैयारी से तुलना बिल्कुल न करें। हर छात्र की क्षमता और यात्रा अलग होती है। नकारात्मक बातें, अफवाहें और डर फैलाने वाली चर्चाओं से पूरी तरह दूर रहें।

हर पेपर के बाद खुद से कहें कि आपने अपना पूरा प्रयास किया। हर शाम 45-60 मिनट अगले पेपर का हल्का दोहराव करें। सोने से पहले दो मिनट कल्पना करें कि आप शांत मन से अच्छा पेपर दे रहे हैं। अभिभावक जब बच्चा परीक्षा से लौटे तो बस इतना कहें – “आ गया! बहुत अच्छा कर रहा है। थक गया होगा – आराम कर ले। हम तुम्हारे साथ हैं।”

बिहार के इंटर और मैट्रिक के सभी योद्धाओं! परीक्षा जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक पड़ाव है। आपकी मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाएगी। शांत मन, सकारात्मक सोच और अटूट आत्मविश्वास ही सफलता की असली कुंजी है। आप सक्षम हैं। आप सफल होंगे।

सभी परीक्षार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ! तुम चमकोगे। 🌟

#ExamWarriors #BiharBoard2026

कल फिर मिलेंगे – अगले दिन के लिए और मजबूत होकर।

जय हिंद! जय बिहार!

.................✍️

रवीन्द्र कुमार

ज़िला शिक्षा पदाधिकारी

प. चम्पारण, बेतिया।

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"

रा. प्रा. वि. करमहवा टोला, बगहा - 2

मोहनलाल राम

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. करमहवा टोला,

बगहा -2, प. चम्पारण

अंतिम संबोधन - 31.01.2026

आदरणीय मुख्य अतिथि महोदय,
प्रिय सहकर्मीगण, मेरे प्यारे शिक्षक-शिक्षिकाओं,
मेरे बच्चे—प्रिय छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित सभी प्रियजन,

आज का यह पल मेरे जीवन की सबसे भावुक घड़ी है। जैसे कोई पुराना साथी अलविदा कहता है, वैसे ही आज मैं अपने इस प्रिय बगहा-2 प्रखंड के शिक्षा परिवार से विदाई ले रहा हूँ। 31 जनवरी 2026—यह तारीख मेरे लिए सिर्फ सेवानिवृत्ति की नहीं, बल्कि अनगिनत यादों, संघर्षों और सफलताओं की एक किताब का अंतिम पन्ना है। मेरे हृदय में उमड़ते भावों को शब्दों में बांधना कठिन है, क्योंकि आप सभी ने मुझे इतना प्यार दिया है कि मैं खुद को कभी अकेला महसूस नहीं किया। आंसुओं के बीच मुस्कुराते हुए, मैं कहना चाहता हूँ कि यह विदाई नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है—आपकी यादों के साथ मेरी।

सबसे पहले, आप सभी के प्रति मेरी हार्दिक कृतज्ञता। आपकी उपस्थिति, आपका स्नेह, आपका अटूट विश्वास—यही मेरे कार्यकाल की सबसे बड़ी पूंजी रही है। मैंने कभी पद की गरिमा को अपने व्यवहार में बाधा नहीं बनने दिया। मैं वही सहज, वही विनम्र और वही सादगीपूर्ण बिजय कुमार यादव रहा हूँ, जो पहले था। बिहार शिक्षा सेवा में प्रोन्नति के बाद भी यदि मेरी वही पुरानी मुस्कान, वही मिलनसार स्वभाव और वही सरलता आपको दिखाई दी, तो यह आप सभी के प्रेम और सहयोग का परिणाम है। आपने मुझे कभी ऊँचा-नीचा नहीं समझा; बल्कि, हर छोटे-बड़े ने मेरे प्रति गहरा सम्मान दिखाया। यह सम्मान मेरे लिए पदक से कम नहीं—यह मेरे दिल की सबसे कीमती संपदा है। कभी-कभी सोचता हूँ, क्या मैं इसके योग्य हूँ? लेकिन आपका प्यार ही मेरी ताकत रहा है।

अब बात उन उपलब्धियों की, जो हमने मिलकर हासिल कीं। मेरे कार्यकाल में बगहा-2 प्रखंड, खासकर अतिरिक्त क्षेत्र, शिक्षा के नवाचारों में सदैव अग्रणी रहा। लगभग हर विद्यालय में हमने BALA (बिल्डिंग ऐज लर्निंग एड) पेंटिंग्स की रंगीन शुरुआत की—वे दीवारें अब सिर्फ ईंटों की नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों की कैनवास बन गईं। स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना ने शिक्षा को आधुनिक बनाया, जहाँ बच्चे स्क्रीन पर दुनिया देखकर सीखते हैं। साउंड सिस्टम, माइक आदि की व्यवस्था ने कक्षाओं को जीवंत बना दिया—अब शिक्षकों की आवाज हर कोने तक पहुँचती है, और बच्चे उत्साह से भाग लेते हैं। हमने पोडियम खरीदकर उपयोग किया, ताकि हर कार्यक्रम गरिमामय हो। रनिंग वाटर और हैंड वाश स्टेशन की सुविधा ने स्वच्छता को प्राथमिकता दी—बच्चे अब स्वस्थ रहकर पढ़ाई करते हैं। सुंदर शौचालय, सुंदर कार्यालय और विद्यालय परिसर में हरी-भरी गार्डेनिंग ने पूरे वातावरण को बदल दिया। ये फूल, ये हरियाली—ये सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि बच्चों के मन को शांत और प्रेरित करने वाले माध्यम हैं। BRC बगहा - 2 परिसर की चहारदीवारी, मिट्टी भराई एवं 2022 बैच के शिक्षकों के सहयोग से निर्मित गुरु वाटिका बगहा - 2 के शिक्षकों की गौरव गाथा का अमर संदेश सदा देता रहेगा।

ये सब प्रयास मात्र स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहे; राज्य स्तर तक इनकी प्रशंसा हुई। प्रखंड बगहा-2 का अतिरिक्त क्षेत्र हमेशा नवाचारों में सबसे आगे रहा—यह हमारी सामूहिक मेहनत का प्रमाण है। हमारे विद्यालय सुंदर, सुसज्जित, समयबद्ध, नियमबद्ध, बेहतर प्रबंधन युक्त और अधिकांशत: शिकायत रहित रहे।

बिजय कुमार यादव
प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी
(बिहार शिक्षा सेवा)
बगहा -2, अतिरिक्त
प. चम्पारण।

ये जिला से लेकर राज्य तक के पदाधिकारियों के लिए आकर्षण के केंद्र बने। उदाहरण के लिए, प्राथमिक विद्यालय रोहुआ टोला, प्राथमिक विद्यालय करमहवा टोला, प्राथमिक विद्यालय केरई-बेरई, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोहरिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय मदनपुर, उत्क्रमित उच्च विद्यालय लक्ष्मीपुर—ये दर्जनों विद्यालय विभिन्न स्तरों पर प्रशंसा के पात्र बने। सभी पदाधिकारी गण यह मानते हैं कि बगहा-2 क्षेत्र, खासकर अतिरिक्त क्षेत्र, पूरे जिले में सबसे बेहतर स्थिति में है। यह सुनकर मेरा हृदय गर्व से भर जाता है, लेकिन साथ ही भावुक भी—क्योंकि यह सफलता मेरी अकेली नहीं, हम सबकी है।

इन सबके पीछे कुछ विशेष व्यक्तियों का अतुलनीय योगदान रहा। इस अवसर पर मैं आदरणीय श्री फणीशचंद्र पाठक जी, सेवानिवृत्त प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बगहा-2, एवं पूर्व BRP शैलेन्द्र कुमार और पिंटू जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आपका सहयोग, आपकी रचनात्मकता और आपका समर्पण—ये सबने मिलकर इन नवाचारों को साकार किया। आप जैसे साथी मिले, इसलिए मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूँ।

वर्तमान प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी आदरणीय फूदन बाबू का भी हर कदम पर लगातार अतुलनीय साथ एवं समर्थन मुझे मिलता रहा। वह भी एक सकारात्मक सोच और विकासवादी कार्यों को आगे बढ़ाने वाले व्यक्तियों में से हैं। इनका व्यक्तित्व भी अत्यंत सहज एवं शालीन है। मैं इनके साथ और सहयोग के लिए तहे दिल से इनका आभार प्रकट करता हूं और आप सभी से अपील करता हूं की इनको अपना सहयोग और समर्थन सदा देते रहें।

अब जा रहे समय में मैं केवल

इतना कहना चाहता हूँ—इस प्रखंड के शिक्षा परिवार को और मजबूत बनाइए। नए आने वाले साथियों को पूरा सहयोग दीजिए। हमारे बच्चे ही हमारा भविष्य हैं—उनके लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करते रहिए। मैं उम्मीद करता हूँ कि बगहा-2 अपनी प्रतिष्ठा एवं संस्कृति के अनुकूल ऐसे ही सदैव विभिन्न नवाचारी एवं सकारात्मक कार्यों में लगातार आगे रहेगा। यह कार्य संस्कृति आगे भी जारी रहेगी—यह मेरा विश्वास है।

मेरे परिवार, मेरे सहकर्मियों, मेरे शिक्षक साथियों और इन मासूम बच्चों—आप सबका हृदय से आभार। आपका दिया हुआ प्यार, सम्मान और यादें मेरे साथ हमेशा रहेंगी। सेवानिवृत्ति के बाद भी, यदि कभी जरूरत पड़े, तो मैं हमेशा उपलब्ध रहूँगा। आंसुओं के साथ मुस्कुराते हुए अलविदा कहता हूँ—नहीं, मिलते रहेंगे।

धन्यवाद।

आप सब सदा खुश, स्वस्थ और समृद्ध रहें।

जय हिंद!

बिजय कुमार यादव
प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी
(बिहार शिक्षा सेवा)
बगहा -2, अतिरिक्त
प. चम्पारण।

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org